भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

(आयुवद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2063

12 फरवरी, 2021 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

ब्रेस्ट कैंसर के लिए आयुष औषधि

2063. श्री अदला प्रभाकर रेड्डी:
श्री लावू श्रीकृष्णा देवरायालू:
श्रीमती चिंता अनुराधा:
डॉ. बीसेट्टी वकट सत्यवती:
श्री मगुंटा श्रीनिवासुलू रेड्डी:
श्री बेल्लाना चन्द्रशेखर:

क्या आयुवद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) मंत्री यह बताने की कृपा करगे कि:

(क) क्या कद्रीय आयुर्वादिक विज्ञान शोध परिषद (सीसीआरएएस) ने स्थानिक नॉन-मेटास्टिक ब्रेस्ट कैंसर, जिसका इलाज एडजुटट कीमोथिरेपी/रेडियोथिरेपी से किया जाता है के रोगियों म आयुष क्यू.ओ.एल.-2सी नामक कोडेड आयुर्वादिक दवा के उपयोग का, जीवन की गुणवता प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एम्स, नई दिल्ली के साथ मिलकर कोई नैदानिक शोध अध्ययन किया है और इसे मोलीक्यूलर मार्कर से जोड़कर देखा जा रहा ह;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इस दवा के विनिमाण के लिए मंजूरी दी है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण ह?

उत्तर

युवा मामलों और खेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
और आयुवद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी मंत्रालय के
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का अतिरिक्त प्रभार (श्री किरेन रीजीजू)

(क): जी हां।

(ख): आयुष मंत्रालय के तत्वावधान म स्वायत्त निकाय कद्रीय आयुवदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने एम्स, नई दिल्ली के सहयोग *से **"ए पायलट स्टडी इवैलुएटिंग क्वालिटी ऑफ लाइफ विद आयुष क्यूओएल-2सी इन पेशेंट्स ऑफ लोकल नॉन-मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैंसर ट्रीटेड विद एडजुवंट कीमोथेरैपी/रेडियोथैरेपी एंड कोरलेटिंग इट विद मॉलीक्यूलर मार्कर"*** शीर्षक वाला संभावित डबल ब्लाइंड रडमाइज्ड पलेसबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण आयोजित किया है। अध्ययन में "आयुष क्यूओएल-2सी" समूह म बेहतर स्थानीय नियंत्रण और बचाव का रूख तथा औषध सुरक्षित एवं सहने योग्य पाई गई।

(ग) और (घ): आयुर्वादिक औषधयोग "आयुष क्यूओएल 2सी" परिषद द्वारा विकसित किया गया है और पेटेंट फाइल कर दिया गया है। पेटेंट प्राप्त होने की प्रतीक्षा है। सीसीआरएएस की वाणिज्यीकरण नीति के अनुसार राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (एनआरडीसी) के माध्यम से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए परिषद् द्वारा प्रयास किए जा रहे ह।

*****